जरूरत है जागने की, भ्रष्टाचार को मिटाने की

सारा सच अपडेट

www.SaraSach.com

सच्ची बात

fnYyh ls izdkf'kr fgUnh ikf{kd lekpkj i=

◆वर्ष : 7 ◆अंक : 7 ◆16 मई से 31 मई 2018 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए हिजरी 1439 RNI NO. DELHIN/2012/41828

सीसीटीवी कैमरा प्रोजेक्ट में हुए भ्रष्टाचार को लेकर दिल्ली कांग्रेस

सीबीआई, सीवीसी कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाने से पीछे नही हटेगी : माकन

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार ने दिल्ली में सीसीटीवी कैमरा लगाने के प्रोजेक्ट में रिश्वत के लिए देश की सुरक्षा के साथ समझौता किया। क्योंकि दिल्ली सरकार ने चीन की सरकारी कम्पनी हिक विज़न जिसमें चीन सरकार का 58ः हिस्सा है को बेल कम्पनी का मुखौटा पहनाकर दिल्ली में सीसीटीवी कैमरा लगाने का ठेका दे दिया। श्री माकन ने कहा कि यह भ्रष्टाचार और देश की सुरक्षा के साथ समझौते का सीधा–सीधा मामला है। इसलिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को तुरंत प्रभाव से इस्तीफा दे देना चाहिए।

श्री माकन ने कहा कि सीसीटीवी कैमरा प्रोजेक्ट में हुए भ्रष्टाचार को लेकर दिल्ली कांग्रेस सीबीआई, सीवीसी और और जरुरत पड़ी तो दोषियों को सजा दिलाने के लिए कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाने से पीछे नही हटेगी। श्री माकन ने रक्षा मंत्रालय के खिलाफ भी जांच की मांग की कि किस प्रकार उसके अन्तर्गत आने वाली कम्पनी बेल ने चीन सरकार की कम्पनी हिक विज़न को अपनी वेन्डर कम्पनियों में शामिल किया। श्री माकन ने कहा कि जब कभी भी आप पार्टी की दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार में किसी मुद्दे को लेकर झगड़ा होता है तो दिल्ली के उपराज्यपाल दिल्ली सरकार को बचाने का काम करते है जबकि लोगों को यह दिखाया जाता है कि उनके बीच में लड़ाई है।

श्री माकन ने कहा कि कल कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गांधी जी ने कहा था कि पाकिस्तान की परेड में चीन की आर्मी हिस्सा लेती है जबकि पाकिस्तान हमारा विरोधी देश है। श्री माकन ने कहा कि ऐसे समय में दिल्ली सरकार द्वारा चीन की सरकारी कम्पनी को दिल्ली में सीसीटीवी कैमरे लगाने के कार्य में शामिल करना देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। (आप पार्टी की दिल्ली सरकार के द्वारा सीसीटीवी कैमरा के प्रोजेक्ट में किए गए भ्रष्टाचार को उजागर करने के दस्तावेज संलग्न है।)

संवाददाताओं को दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में सम्बोधित करते हुए उन्होंने ने कहा कि जिस सीसीटीवी के प्रोजेक्ट की अक्टूबर 2015 में लागत 130 करोड़ थी वह 2108 में 571.40 करोड़ कर दी गई और टेन्डर की शर्तो को भी लचीला कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए पहली बिड 1 नवम्बर 2017 को खुली तथा 6 दिसम्बर 2017 को बंद हुई। इसी प्रकार दूसरी बिड 9 जनवरी 2018 को खुली और 30 जनवरी 2018 को बंद हुई। श्री माकन ने कहा कि पहली बिड थर्ड क्वार्टर में पूरी हुई जबकि जबकि दूसरी बिड चौथे क्वार्टर में पूरी हुई थी। उन्होंने कहा कि तीसरे क्वार्टर तक हिक विज़न बेल की वेन्डर लिस्ट में नही था और उसको चौथे क्वार्टर में बेल की वेन्डर लिस्ट में डालकर 571.40 करोड़ का टेन्डर

'k"k i"B pkj ij

कुमारस्वामी का दावा–बीजेपी ने JDS विधायकों को दिया 100 करोड़ और कैबिनेट पद का ऑफर

बेंगलुरु। जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि उनके विधायकों को बीजेपी द्वारा 100 करोड़ और कैबिनेट में पद का ऑफर दिया गया। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि कर्नाटक में विधायकों की खरीद–फरोख्त हो। कुमारस्वामी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बीजेपी की अश्वमेघ यात्रा उत्तर से शुरु हुई और उसके घोड़े को कर्नाटक में रोक लिया गया है। यह जनादेश अश्वमेघ यात्रा को रोकने को लेकर है। आज एचडी कुमारस्वामी को जद (एस) विधायक दल का नेता चुना गया। कुमारस्वामी ने कहा ऑपरेशन कमल को भूल जाना चाहिए। बीजेपी के भी कुछ विधायक हमारे साथ आना चाहते हैं। अगर बीजेपी ने कांग्रेस या जेडीएस के विधायकों को खरीदने की कोशिश की तो हम उनका डबल नुकसान करेंगे।

कनार्टक के नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों ने बीएस येदियुरप्पा को औपचारिक रूप से विधायक दल का नेता चुन लिया। पार्टी के प्रवक्ता एस. शांताराम ने यह कहा। येदियुरप्पा ने यहां संवाददाताओं से कहा, "हम राज्यपाल वजुभाई आर. वाला से मुलाकात करेंगे और सरकार गठन का दावा पेश करेंगे।"

कर्नाटक चुनाव के मंगलवार को आए नतीजों में त्रिशंकु विधानसभा की तस्वीर सामने आई है। भाजपा 104 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है लेकिन वह बहुमत के आंकड़े से 8 सीट पीछे है। कांग्रेस को 78 सीटों पर जीत मिली है वहीं जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) 37 सीटें जीतने में सफल रही है। वहीं जेडीएस की सहयोगी पार्टी बीएसपी को एक सीट मिली है।

भाजपा जैसे ही बहुमत के आकड़े

'k"k i"B pkj ij

flíhdh fcjknjh u ,d tV gksdj tekr , flíhdh lLFkk cukbZ vkj jkLVªh; vè;{k ek- 'kghn flíhdh dk cuk;kA lLFkk flíhdh uke dk ljdkjh xtV esa ykuk pkgrh gSA

नवाबों के शहर लखनऊ से दि राइटर्स हब राजधानी दिल्ली में ...

अपने पहले ओपन माइक शो शुरु करने जा रहा है जिसमे दिल्ली के कलमाकरों के साथ–साथ बाहरी जगह के रचनाकरों को भी आमंत्रित किया गया है। तो हो जाये तैयार अपनी कलम के साथ अपना हाल–ए–दिल बयाँ करने के लिए। दि राइटर्स हब के चलो दिल्ली ओपन माइक में स्वागत आप सभी का तहे दिल से स्वागत है। एक हसीन शाम हर्फ़ों और ज़ज्बातों से भरी हुई जिसमें सराबोर होकर खो जाइये एहसासों में डूबे लफ़्ज़ों के समंदर में। थोड़ा सुनिये और थोड़ा सुनाइये। क्योंकि लफ्ज़ और ज़ज्बात कभी मरते नहीं।कुल श्रेष्ठ 20 प्रतिभागियों को ही शो में प्रदर्शन का अवसर दिया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को अधिकतम पांच मिनट का समय दिया जाएगा। दिए गए समय में ही प्रतिभागी को अपनी रचना को स्वयं प्रस्तुत करना होगा। निर्णायक समूह का अंतिम निर्णय ही मान्य होगा।

vki gels laidZ dj ldrs gS
bZey – Mail@thewritershub-in
foLr`r tkudkjh gsrq – www-thewritershub-in
eksckby lsaidZ gsrq
'kkÜor 'kDyk & 9889594348] fodk'k lDlsuk & 7210565779
: iUæ& 9716572653
सहयोगी–
çLrqrdrk – दि राइटर्स हब, çk;kstd – कला मंथन
ehfM;k lgHkkxh – सारा सच, LFkku lgHkkxh – कुंजुम ट्रेवल कैफ़े
le; % 4 ls 7] 'kke
LFkku% dqatqe Vªoy dSQs] gkSt [kkl xkao]
gkSt [kkl] ubZ fnYyh

संपादकीय

&lyhe vgen

क्यों लाचार है हमारा बैंकिंग सेक्टर

नगदी संकट पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने चिंता जताते हुए कहा है कि भारतीय बैंकिंग सिस्टम सत्ताधारी पार्टी की निजी जागीर हो गई है। उसके साथ सिर्फ मजाक किया जा रहा है। आजादी के बाद से सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है बैंकिंग नेटवर्क। उनके ये शब्द सप्ताह भर के नगदी संकट को रेखांकित करते हैं। नगदी संकट से मुल्क की जनता बेहाल है। एटीएम में 'कैश नहीं है, असुविधा के लिए खेद है'? इस तरह के नोटिस देश के कई राज्यों की एटीएम मशीनों पर पिछले कई दिनों से लटके देखे जा रहे हैं।

नगदी की कमी ने पूरे देश में हाहाकार मचा दिया है। दरअसल यह वह वक्त होता है जब छात्रों को स्कूल–कालेजों में दाखिला लेना होता है। शादी समारोह आयोजित होते हैं, खेती–किसानी का समय होता है लेकिन ये सभी काम बिना नगदी के नहीं हो सकते। नगदी की कमी के चलते ये सभी काम थम से गए हैं। इस विकराल समस्या को दूसरी अघोषित नोटबंदी कहें या सरकार की गलत नीति। सबसे ज्यादा दिक्कतें उन लोगों को उठानी पड़ रही हैं जिनके घरों में शादी–ब्याह के कार्यक्रम पहले से तय हैं। इसके अलावा किसानों को अपने खेतों में फसलों की रोपाई करनी है लेकिन पैसे न होने के चलते वे अपने खेतों में फसलें नहीं लगा पा रहे हैं। परेशान होकर किसान अपना दुखड़ा जब बैंकों में सुनाते हैं तो वहां से भी टका सा जवाब कैश न होने के रूप में मिल रहा है। अजीब स्थिति है लोग अपने ही पैसों को एटीएम और बैंकों से निकाल पाने में असमर्थ हैं। पिछले करीब दो सप्ताह से तकरीबन पूरे हिंदुस्तान के अधिकतर एटीएम कैश की किल्लत से जूझ रहे हैं। समस्या को देखते हुए फिलहाल सरकार फौरी कार्रवाई करते हुए नोटों की छपाई की प्रक्रिया में तेजी लाई है लेकिन उसका असर दिखने में शायद वक्त लगेगा। सवाल उठता है कि ऐसी स्थिति आने ही क्यों दी? सरकार के पास कोई दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं थी। जनमानस को प्रत्येक तीन महीनों के अंतराल में किसी न किसी बड़ी समस्या से सामना करना पड़ रहा है। यही वजह है कि सरकार के प्रति लोगों का आक्रोश दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

मौजूदा नोट किल्लत की परेशानी को लोग 2016 के नवंबर–दिसंबर महीने की नोटबंदी के बाद इसे दूसरी नोटबंदी का नाम दे रहे हैं। यह दूसरी अघोषित नोटबंदी कही जा रही है। बच्चों का स्कूल जाने का नया सेशन होता है, उनको नये बस्ते और स्कूल में दाखिला लेने होते हैं लेकिन पैसों की कमी के चलते उनके पैरेंटस को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। देखा जाए तो नोटों की कमी की स्थिति पिछले एक पखवाड़े से बनी हुई है लेकिन कुछ दिनों में समस्या और विकराल हो गई है। यह समस्या तब और गहरी हो गई जब इसका हल ढूंढने के लिए वित्त मंत्रालय ने रिजर्व बैंक, बैंकों व राज्यों के साथ बैठक की लेकिन बैठक बेनतीजा रही। सभी बैंकों ने मंत्रालय के समक्ष कैश की भारी कमी होने की बात रखी। अचंभे वाली बात है कि इतना कैश आखिर गया कहां जिससे ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई। सरकार की मानवीय जिम्मेदारी बनती है कि जनमानस को इस स्थिति से फौरन बाहर निकाले क्योंकि उन्होंने पहले ही नोटबंदी का दंश झेल रखा है। एटीएम में कैश नहीं होने से लोग दैनिक परेशानियों से दो–चार हो रहे हैं। हर गली–मोहल्ले में आजकल सिर्फ नोट नहीं होने की ही चर्चाएं हैं। परेशानी के चलते लोग अपने जरूरी काम भी नहीं कर पा रहे हैं। किराये के घरों में रहने वाले लोगों के पास मकान का किराया देने के लिए नकदी नहीं है जिससे उन्हें उधार का सहारा लेना पड़ रहा है। शादी समारोह में जाने की तैयारी कर रहे लोग भी फंस गए हैं। समारोह में जाने के लिए रेल टिकट आदि खरीदने में दिक्कतें होने लगी हैं। कैश की कमी के चलते लोग ठीक से खरीदारी भी नहीं कर पा रहे हैं। घरों से दूर दूसरे शहरों में पढ़ाई कर रहे अपने बच्चों को अभिभावक पैसे तो ट्रांसफर कर रहे हैं लेकिन कोचिंग वालों को पैसे का भुगतान करने में दिक्कतें आ रही हैं। एटीएम जाते हैं तो वहां बाहर कैश न होने के नोटिस चस्पे मिलते हैं। कुल मिलाकर लोग कई तरह की समस्याओं से घिर गए हैं। समस्या का निवारण कब होगा यह किसी को नहीं पता। इस बीच सरकार के दो–तीन बयान आ चुके हैं जिसमें उन्होंने समस्या को जल्द निपटाने का आश्वासन दिया है लेकिन समस्या जस के तस बनी हुई है।

जरूरत है जागने की, भ्रष्टाचार को मिटाने की

विशेष राज्य का दर्जा पाने हेतु कई दावेदार

राजनीति में इन दिनों चर्चा का सर्वोपरि विषय विशेष राज्य का दर्जा है। इसके दावेदार सिर्फ आंध्र प्रदेश ही नहीं, अनेक राज्य हैं। इस हेतु सभी के भांति– भांति के तर्क हैं। आखिर क्या है विशेष राज्य का दर्जा और यह किसी राज्य को कब और किस आधार पर मिलता है। इसे करीब जाकर देखते और जानते हैं। देश के 29 पूर्ण राज्यों में से 11 को विभिन्न काल खंडों में विशेष राज्य का दर्जा मिला है जिन्हें कुछ ठोस मापदंडों के आधार पर यह दर्जा मिला है। विशेष दर्जा प्राप्त 11 राज्यों में से 7 पूर्वोत्तर राज्य हैं। ये पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा हैं।

इसके अलावा चार अन्य राज्य जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम हैं। सभी 11 राज्यों को विभिन्न वर्षों में विशेष दर्जे मिला है। संविधान में विशेष राज्य के दर्जे को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान या उल्लेख नहीं है । इस समय 6 राज्य विशेष दर्जा पाने की कतार में हैं। ये बिहार, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, गोवा, उड़ीसा और झारखंड हैं। बिहार पिछले 10 वर्षों से पिछड़ेपन, अकाल एवं बाढ़ की विभीषिका और आर्थिक आधार पर यह दर्जा पाने के लिए प्रयासरत है। आंध्र प्रदेश अपने बंटवारे एवं तेलंगाना के बनने के बाद राजधानी हैदराबाद के छिन जाने एवं संसाधन की कमी के आधार पर यह दर्जा चाहता है।

राजस्थान अपनी खूबी के बाद भी भौगोलिक विशालता, मरुस्थल, विरल बसाहट, पिछड़ेपन एवं पाकिस्तान की सीमा से लगकर होने के कारण विशेष राज्य का दर्जा चाहता है। उड़ीसा अपनी अनेक विशेषताओं के बाद भी पिछड़ेपन, राज्य की जनता की गरीबी, अकाल, तूफान की विभीषिका के कारण विशेष राज्य का दर्जा चाहता है। झारखंड वन एवं खनिज संपदा से भरपूर होने के बाद भी पिछड़ेपन, राज्य की जनता की गरीबी, राजधानी मंत्रालय एवं विधानसभा भवन विकसित नहीं होने के कारण विशेष राज्य का दर्जा चाहता है।

यहां यह ध्यान रहे कि विशेष राज्य का दर्जा चाहने वाले सभी राज्यों को उनकी आर्थिक जरूरत पूरी करने के लिए केंद्र भरपूर मदद दे रहा है। बिहार, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, झारखंड के लिए केंद्र ने तो एक तरह से अपना खजाना खोल दिया है। फिर भी वह विशेष राज्य का दर्जा चाहते हैं।

अब सवाल यह है कि किस राज्य को कब विशेष राज्य का दर्जा दिया गया। जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य एवं विशेष स्थिति का दर्जा 1963 में दिया गया। असम एवं नागालैंड को 1969 में विशेष राज्य का दर्जा दिया गया। हिमाचल प्रदेश को 1971 में विशेष राज्य का दर्जा दिया गया। इसी वर्ष मेघालय को भी विशेष राज्य का दर्जा दिया गया। त्रिपुरा को 1972 में विशेष राज्य का दर्जा दिया गया। इसी वर्ष मणिपुर को भी विशेष राज्य का दर्जा दिया गया। सिक्किम को 1975 –76 में विशेष राज्य का दर्जा दिया गया। मिजोरम को 1986 –87 में एवं इसी दरमियान अरुणाचल प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिया गया। उत्तराखंड को वर्ष 2001 में विशेष राज्य का दर्जा दिया गया जबकि इस दरमियान झारखंड एवं छत्तीसगढ़ राज्य बने थे उन्हें इसके लिए योग्य नहीं समझा गया। विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त सभी राज्य छोटे और आदिवासी बहुल हैं। ये सीमा पर सामरिक महत्त्व वाले हैं ये संसाधन एवं आय शून्य राज्य हैं। इन राज्यों की प्रकृति अलाभकारी है अर्थात इन राज्यों में आय का आधार या साधन बहुत कम या ना के बराबर हैं इसीलिए इन्हें विशेष राज्य का दर्जा दिया गया है।

सारा सच अपडेट के सक्रिय लेखक

vfer R;kxh	शेरकोट
शाहजहापुर, (यू.पी.)	**Mk- unyky Hkkjrh**
nhfIr 'kek	इंदौर, (मप्र)
आगरा (यू.पी.)	**dYiuk lekuh**
iue 'kDyk	नवी मुंबई
गुड़गांव	**drh e[kth**
Mk- uhjt Hkkj}kt	लखनऊ (यूपी)
दिल्ली	**itk JhokLro**
r'kkj jkt jLrkxh	सिहोर (मप्र)
दिल्ली	**'kf'k JhokLro**
foHkkjkuh JhokLro	नई दिल्ली
बेगुसराय (बिहार)	**Mk- i#'kkÙke eh.kk**
j[kk tk'kh	**if.kek 'kek**
फरीदाबाद	मुरादाबाद (यूपी)
Hkkouk flUgk	**vueky 'kek**
गया (बिहार)	बागपत (यूपी)
Lkyhek vkfjQ	**d-lh- oek**
जकिर नगर	पटियाला
Lkèkk jkt	**lkftn vyh** खुरेजी

आखिर कब तक ?

'kcue [kku

1. यदि आप शासनिक स्तर पर न्याय चाहते हैं।
2. यदि आपकी पुलिस या अन्य किसी सरकारी विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।
3. यदि कोई सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी काम के बदले आपसे रिश्वत मांग रहा है।
4. यदि कोई आपका शारीरिक एवं मानसिक रूप से शोषण कर रहा है।
5. यदि आप जीवनसाथी या किसी अन्य संबंधी द्वारा प्रताड़ित किए जा रहे हैं।
6. यदि किसी कार्यरत महिला/पुरुष का कार्यालय में अन्य तरीके से शारीरिक या मानसिक रूप से शोषण हो रहा है।
7. यदि किसी बुजुर्ग को परिवार में उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।
8. यदि किसी शिक्षण संस्थानों में छात्र अथवा छात्राओं का मानसिक या शारीरिक स्तर पर शोषण हो रहा है।
9. यदि कोई आपको बाल मजदूरी के लिए बाध्य कर रहा है।
10. यदि शिक्षण संस्थानों द्वारा आपसे डेवलपमेंट चार्ज या डोनेशन के नाम पर अवैध धन वसूला जा रहा है।
11. यदि उपभोक्ता किसी सेवा या उत्पाद से संतुष्ट नहीं है।
12. यदि सरकारी अस्पतालों या प्राइवेट अस्पतालों में आपकी देख रेख उचित रूप से नहीं हो रही है तो घबराए नहीं, सम्पर्क करें:–

Miss Shabham Khan (President)
(Human Rights Activist)
EK Koshish Aur Abhi (EkAA) N.G.O.
Dedicated to Human Rights & Social Justice
E-mail :Khanshabnam.humarightactvist@Yahoo.in
www.ekkoshishaurabhi.org

plih rkM+

यदि कोई भी सरकारी अधिकारी अपने पद का दुरूपयोग कर रहा है या कोई भी विभागीय अधिकारी आपका आर्थिक, मानसिक व शारीरिक शोषण करता है या फिर आपको किसी भी प्रकार की शिकायत है तो कृपया अपनी शिकायत/जानकारी पर हमें लिख भेजें। आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। आपकी इच्छानुसार आपका नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी।

&fy[kk&

e[; lEiknd % lyhe vgen

सारा सच अपडेट

12@596 xyh ucj% 2] oLV x: vxn uxj] y{eh uxj] fnYyh&110092

E-mail : sarasach99@gmail.com

सारा सच (अपडेट)

ikf{kd fgUnh lekpkj i=

&e[; lEiknd&
सलीम अहमद
&lg lEiknd&
उमेश कुमार झा
शाहनवाज सिद्दीकी
&lykgdkj&
दीपक त्यागी (एडवोकेट),
प्रदीप महाजन (आईएनएस),
डा. पी एल पलटा,
मनोज कुमार खत्री
&Nk;kdkj&
सुधीर कुमार, साजिद अली
C;jk@foKkiu ifrfufèk
&fnYyh&
रविन्दर कुमार,, एस सिद्दीकी,
अशफाक अली
&jktLFkku&
जयपुर–विशाल चौहान
&fgekpy in'k&
शिमला
शान मो. खान
&mÙkj in'k&
आगरा–हसीब हुसैन
अलीगढ़–मो. फरूख
फिरोजाबाद–फैसल मसरूर
मुज्जफर नगर–मो. इलियास

मॉनिटरिंग कमेटी का इशारा, पुरी के पास है सीलिंग का हल : आप

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रही सीलिंग का हल शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी के पास है। सीलिंग पर सुप्रीम कोर्ट की मॉनिटरिंग कमेटी से मिलने के बाद गआप विधायकों ने यह दावा किया है। आप विधायक और डीडीए के सदस्य सोमनाथ भारती का कहना है कि कमेटी के सदस्यों ने साफ तौर पर यह इशारा कर दिया है कि उनके हाथ में सीलिंग का समाधान नहीं है। इसके लिए आप लोग हरदीप पुरी के पास जाएं। वे ही इसका समाधान कर सकते हैं।

बता दें कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में चल रही सीलिंग को बंद कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मॉनिटरिंग कमेटी से लेकर राष्ट्रपति तक गुहार लगाने का निर्णय लिया है। हालांकि पार्टी ने सीलिंग का एकमात्र उपाय अध्यादेश ही बताया है। इसी के तहत एक मई को आम आदमी पार्टी के नेता और व्यापारियों ने मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्यों से मुलाकात की है। सोमनाथ भारती ने कहा, दिल्ली में पिछले कई महीनों से चल रही सीलिंग ने व्यापारियों को तबाह कर दिया है। दुकानदार ही नहीं, बल्कि वहां पर काम करने वाले कर्मचारी भी सड़क पर आ गए हैं। दूसरी ओर भाजपा नेता अभी तक इस मुद्दे पर व्यापारियों को गुमराह करते आए हैं। सीलिंग से निजात दिलाने की जिम्मेदारी भाजपा पर है, क्योंकि केंद्र सरकार, डीडीए और नगर निगम, सब जगह पर भाजपा का शासन है। हैरानी की बात है कि अब इन्हीं लोगो ने सीलिंग पर अपनी आंख और कान बंद कर लिए हैं। 27 अप्रैल 2018 को मॉनिटरिंग कमेटी ने एक आदेश पारित किया है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली के वे लोकल शॉपिंग सेंटर जो एनडीएमसी, एसडीएमसी और ईडीएमएसी के अधीन आते हैं एवं जो नीयत रूप के अनुसार नहीं हैं, उन्हें तुरंत सील कर दिया जाए। दिल्ली में 143 लोकल शॉपिंग सेंटर है जो बहुत पुराने हैं और समय–समय पर क्षेत्र की जनता की आवश्यकताओं को पूरा करते रहे हैं, अब अचानक से उन्हें सील कर देने का आदेश जारी कर दिया गया है। दिल्ली की लगभग 95 प्रतिशत इमारतें प्लान के तहत नहीं बनी हैं। पिछले 15 साल से निगम में भाजपा की सरकार है और इस दौरान बड़े स्तर पर बिना योजना के निर्माणकार्य हुआ है। भारती के मुताबिक, जब व्यापारियों ने कमेटी के सामने यह बात कही कि लोकल शॉपिंग सेंटर पर गाज क्यों गिराई जा रही है, तो कमेटी का कहना था कि इसका समाधान हमारे पास नहीं है। आप लोग शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी के पास जाएं। आप नेताओं और व्यापारियों ने कमेटी के सदस्यों से आग्रह किया कि ठीक है वे इसके लिए मंत्री से मिलेंगे, लेकिन जब तक इस बातचीत का नतीजा निकले, तब तक दुकानदारों को राहत दे दी जाए। इस बाबत कमेटी के सदस्यों ने कहा, ठीक है हम इस पर विचार करेंगे।कमेटी ने कहा, नगर निगम ने कहीं पर भी पार्किंग नहीं दी है और दूसरी सुविधाएं भी नदारद हैं, ऐसे में वहां किस तरह से मार्केट को चलने दिया जा सकता है। इस पर आप नेताओं ने कहा, यदि हर मार्केट का व्यापारी यह लिखकर दे कि हमारे पास पार्किंग भी है और अन्य सुविधाएं भी हैं तो क्या इन्हें राहत दी जा सकती है। इस पर कमेटी ने कहा, ठीक है वे इस पर गंभीरतापूर्वक विचार करेंगे। साथ कमेटी के सदस्यों ने यह बात साफ तौर से कही कि आप हमारे पास बार–बार क्यों आते हैं, इसके लिए आप पुरी से बात करें। आम आदमी पार्टी शुरू से ही यह कहती आई है कि इसका हल भाजपा के पास है। वजह, सभी एजेंसी उसके अधीन हैं। भाजपा चाहे तो सीलिंग एक दिन में बंद करा सकती है। सोमनाथ भारती का कहना था कि अब कमेटी ने भी इसी ओर इशारा कर दिया है।

हाईकोर्ट दो महीने में सभी अदालतों में एंटी सेक्सुअल हैरेसमेंट कमेटियां बनाएं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीशों से कहा है कि वे 2013 के कानून के अनुसार दो महीने के भीतर सभी अदालतों में एंटी सेक्सुअल हैरेसमेंट कमेटियां गठित करें।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट की कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल से अनुरोध किया कि वह हाईकोर्ट के साथ ही राजधानी की सभी जिला अदालतों में एक सप्ताह के भीतर ये कमेटियां गठित करें।

चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा, जस्टिस ए.एम. खानविलकर और जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड की तीन सदस्यीय बैंच शुक्रवार को एक महिला वकील द्वारा दायर की गई उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया था कि तीस हजारी जिला अदालत परिसर में हड़ताल के दौरान कुछ वकीलों ने उनसे दुर्व्यवहार किया था।

बैंच ने तीस हजारी कोर्ट की महिला वकील और बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों से कहा कि वे अपने विवाद मिलजुल कर सुलझाएं। कोर्ट ने निर्देश दिया कि दोनों ही पक्षों के वकीलों को एक दूसरे के खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआर के सिलसिले में गिरतार नहीं किया जाए।

बैंच ने दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को दोनों पक्षों के वकीलों की शिकायतों की जांच का निर्देश दिया है। बैंच ने इन दोनों प्राथमिकियों से जुड़े मुकदमे की सुनवाई पटियाला हाउस कोर्ट को स्थानांतरित कर दी और बार के नेताओं से कहा कि वे न्याय के प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं

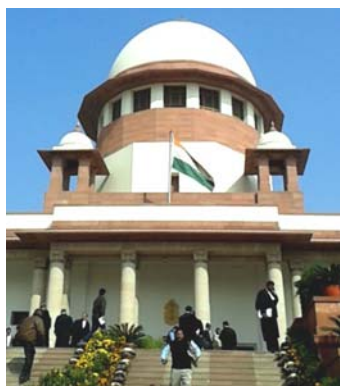

करें। सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों अैर दिल्ली बार एसोसिएशन के कुछ सदस्यों के खिलाफ महिला वकील की याचिका का निबटारा कर दिया। कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिबंध और निदान) कानून, 2013 के तहत प्रत्येक कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच के लिए समिति का गठन अनिवार्य है।

वॉलमार्ट के विरोध में उतरे पांच सौ व्यापारी संगठन

नई दिल्ली। फ्लिपकार्ट और वॉलमार्ट के बीच हुई डील के विरोध में आम आदमी पार्टी की ट्रेड विंग ने चांदनी चौक में एक रैली निकाली। इसमें लगभग 500 व्यापारी संगठनों ने हिस्सा लिया। 'आप ट्रेड विंग ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री सुरेश प्रभु को इस संबंध में पत्र लिखकर एक नेशनल ई कॉमर्स पॉलिसी बनाने की मांग की है।

'आप ट्रेड विंग के संयोजक बृजेश गोयल ने कहा कि मल्टी ब्रांड रिटेल में एफडीआई को मंजूरी नहीं मिली है। भारत का रिटेल बाजार 40 लाख करोड़ का है। पिछले 10 साल से वॉलमार्ट भारत में घुसने की लगातार कोशिश कर रहा था। अब वह ई कॉमर्स के माध्यम से देश में पैर पसारने जा रहा है। जब भाजपा सत्ता से बाहर थी तो यूपीए सरकार द्वारा मल्टी ब्रांड रिटेल में एफडीआई को मंजूरी देने के प्रस्ताव पर भाजपा ने जमकर विरोध जताया था। वॉलमार्ट का जमकर विरोध किया था।

डीडीए ने दिल्ली भर में 31-50 एकड़ जमीन कराई खाली

नई दिल्ली । दिल्ली में अवैध निर्माण के खिलाफ दिल्ली विकास प्राधिकरण की कार्रवाई जारी है। सुप्रीम कोर्ट की मॉनीटरिंग कमेटी के आदेशों पर यह कार्रवाई की जा रही है और डीडीए के शीर्ष स्तर के अधिकारी इसकी निगरानी कर रहे है। सोमवार को डीडीए एक बैठक में अब तक हुई कार्रवाई की रिपोर्ट पेश की गई। इस रिपोर्ट में दिल्लीभर में फुटपाथ आदि खाली करने व अतिक्रमण हटाने के खिलाफ की गई कार्रवाई की रिपोर्ट दी गई। रिपोर्ट में डीडीए ने दावा किया है कि करीब 13050 वर्ग मीटर जमीन को खाली कराया गया है जो करीब 31.50 एकड़ एरिया है। इस दौरान में 696 ढांचे हटाए गए हैं और 220 किलोमीटर लम्बे एरिया को खाली किया गया है। डीडीए के अधिकारियों का कहना है कि इन इलाकों में सीधी निगरानी रखी जा रही है कि इस प्रकार के अतिक्रमण को रोका जा सके।

Chetan Srivastava
98100 63006, 93100 63006
kaagzaat
कागज़ात
a complete property Documentation point
DELHI DOCUMENTATION CENTRE
Specialists in : Drafting & Registration of documents for
Free Hold, Lease Hold, Commercial, Industrial, DDA, L&DO Society
Properties & Flats wih Computer Processing & Manual Typing
LEASE HOLD TO FREE HOLD A SPECIALITY
Off : UG-28 Suneja Tower-I
Distt. Centre Janak Puri, New Delhi-58
Ph : 2554 1618, 2561 7461
Br. Off :- Shop No.2 S-2/100
Old Mahavir Nagar, Near
Mangla Hospital, New Delhi-18

Jolly Graphics
Offset, Multicolor, Screen Printing & Designing
Visiting-Wedding Card, Bill Book, Letterpad,
Pamplate, Brochure, Sticker, Plasto ID Card, Keyring,
Pan, Beg, Calender, Flex Board, Banner, Standy etc.
Video, Photography Marriege & Other Programme
(M) +91-9560135171, 9312007017
E-mail: jollygraphics171@gmail.com/ahmeddesigner433@gmail.com

AMAR VIDEO
STILL PHOTOGRAPHY & VIDEO COVERAGE
WITH MIXING & COMPUTERISED EFFECTS
7/27, Geeta Colony, Delhi-110031
Ph. : 2434612 Mob. : 98103-68380
Amarjit Singh

मार्केटिंग, एक्जिक्यूटिव, डिस्टीब्यूटर तथा विज्ञापन प्रतिनिधि सम्पर्क करें

सारा अपडेट को चाहिए मेहनती, संघर्षशील, जुझारू ब्यूरो चीफ (सभी जिला), संवाददाता

पाठकों के लिए विशेष

जो भी पाठक अच्छी कहानी, कविताएं खबर इत्यादि देगा उसे मीडिया से जुड़ने का मौका मिलेगा

विज्ञापन

दो के साथ एक फ्री	;k	३० प्रतिशत की छूट

हमारे समाचार पत्र के जरिए अपने व्यापार को बढ़ाएं या वेबसाइट पर अपनी पब्लिसिटी के लिए सम्पर्क करें

सारा सच Update

सम्पर्क करें:
91-999-000-7067
www.sarasach.com
Email : sarasach99@Gmail.com

कमजोर और ताकतवरों के लिए अलग-अलग न्याय

लोकतंत्र में न्याय और न्याय के लिए लोकतंत्र उभयनिष्ठ होते हैं। दोनों की सफलता एकदूसरे की मजबूती पर निर्भर है। सूत्रवाक्य यह कि सबसे कमजोर व्यक्ति को भी न्याय पाने का उतना ही भरोसा होना जरूरी है जितना ताकतवर को होता है। इसके लिए न्यायतंत्र का सबसे दबंग होना आवश्यक है हालांकि, अक्सर सबूतों व गवाहों के अभाव में अभियुक्त बरी हो जाते हैं। यह अदालत का जरूरी मानवीय पक्ष है जो बेगुनाह को सजा नहीं देना चाहता लेकिन, राजनीतिक शह पर जांच अधिकारी व गुनहगारों में मिलीभगत हो जाए तो यही उसकी कमजोरी बनकर सामने आने लगती है। तब जानबूझकर सबूतों व गवाहों को इतना कमजोर कर दिया जाता है कि कोर्ट में गुनाह साबित ही न हो सके। जब देश के चर्चित मामलों में भी निर्लज्जता के साथ ऐसा होने लगे तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि उन मामलों में क्या होता होगा जिनकी कभी चर्चा भी नहीं होती?

21 दिसंबर, 2017 को देश के सबसे बड़े घोटाले 2जी केस में ए राजा समेत सभी आरोपी बरी। फैसला सुनाते हुए सीबीआई के विशेष जज ओपी सैनी ने अफसोस जताते हुए कहा कि सबूतों के लिए मैं 7 वर्ष इंतजार करता रहा, लेकिन सीबीआई ने ठोस सबूत पेश नहीं किए। वर्ष 2016 में जयपुर में भारतीय जनता पार्टी के विधायक एन. महरिया के बेटे सिद्धार्थ महरिया की बीएमडब्ल्यू कार से कुचलकर 3 की मौत हो गई, 2 पुलिस वाले जख्मी हुए। तीन माह में जमानत। गवाहों ने बयान बदल लिए। ब्रेथ एनेलाइजर के दो टेस्ट में अलग-अलग नतीजे आए।

मक्का मस्जिद विस्फोट मामले में विशेष अदालत ने असीमानंद सहित सभी 5 आरोपियों को बरी कर दिया। 18 मई, 2007 को हुए विस्फोट में नौ लोगों की मौत हुई थी। जज ने कहा, 'अभियोजन (एनआइए) किसी भी के खिलाफ एक भी आरोप साबित नहीं कर सका।

पटना हाईकोर्ट ने माकपा नेता अजीत सरकार हत्या मामले में बाहुबली पप्पू यादव सबूतों के अभाव में बरी हो गया। निचली अदालत ने 2008 में दोषी ठहराते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई थी। अजीत सरकार की 14 जून 1998 को पूर्णिया जिले में अज्ञात लोगों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी।

जेल में बंद कैदियों में 55 प्रतिशत ऐसे कमजोर तबके से हैं जो अपने अधिकारों तक से अनजान हैं। इनमें

जेल में बंद कैदियों में 55 प्रतिशत ऐसे कमजोर तबके से हैं जो अपने अधिकारों तक से अनजान हैं। इनमें अल्पसंख्यक, दलित और आदिवासी हैं। विधि विशेषज्ञों के अनुसार गरीबों और पिछड़ों को कानूनी मदद मुकदमा शुरू होने पर मिलती है। तब तक देर हो चुकी होती है। गिरफ्तारी के समय वकील रहे तो अंतर पड़ता है। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार 2000-15 के बीच मौत की सजा पाए लोगों में भी अधिकतर गरीब थे।

अल्पसंख्यक, दलित और आदिवासी हैं। विधि विशेषज्ञों के अनुसार गरीबों और पिछड़ों को कानूनी मदद मुकदमा शुरू होने पर मिलती है। तब तक देर हो चुकी होती है। गिरफ्तारी के समय वकील रहे तो अंतर पड़ता है। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार 2000–15 के बीच मौत की सजा पाए लोगों में भी अधिकतर गरीब थे। 2000–15 के बीच मौत की सजा पाए लोगों में 75 प्रतिशत लोग आर्थिक रूप से कमजोर तबके से थे। आतंक से जुड़े मामलों के लिए सजा पाने वालों में भी मौत की सजा पाए दोषियों में 93.5 प्रतिशत लोग धार्मिक अल्पसंख्यक–दलित हैं। न्यायपालिका में सरकार की सेंध तब से लगनी शुरू हुई जब जजों में न्यायाधीश पद से निवृत्त होने के बाद राज्यपाल, राज्यसभा सदस्य या मानवाधिकार आयोग जैसे पदों पर पहुंचने की इच्छा बलवती हुई। आज उसका रूप अपने विकृत स्वरूप में दिख रहा है। न्यायपालिका का इतिहास ऐसे केसों से भरा हुआ है जिनमें तथ्य तो मजबूत थे पर अभियोजन की कमजोरी के कारण लोग छूट गए। जेसिका लाल से लेकर बेस्ट बेकरी केस तक की कहानी यही है। वरूण गांधी पर सांप्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषण का मुकदमा था पर 88 गवाह मुकर गए। एक महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि जब बड़े–बड़ों का मामला होता है, तब इतनी बड़ी संख्या में गवाह मुकर क्यों जाते हैं। क्या अच्छी–खासी रकम देकर गवाहों को खरीद लिया जाता है।

कानून जांच एजेंसियों को अपना कार्य ईमानदारी से करने के लिए पूरी सुरक्षा देता है। बड़े अधिकारियों को संवैधानिक संरक्षण भी मिला हुआ है। वे अदालत के प्रति भी जवाबदेह हैं। जनता भी न्याय चाहती है। स्थानीय लोग सत्य को जानते भी हैं। उन्नाव और कठुआ के लोगों को जरूर आभास होगा कि अपराधी कौन है। जांच एजेंसियां इस चीज को ज्यादा महत्त्व नहीं देतीं। जाहिर है, जनता का सहयोग तभी मिलेगा, जब उसे यकीन हो कि सरकार सचमुच सत्य का पता लगाना चाहती है। मुश्किल यह है कि जांच करने वाले अधिकारी अब इन दबावों के सामने झुकने को तैयार भी रहते हैं।

जब मशहूर लोगों का मामला हो, तो पुलिस और जांच एजेंसियां अपना काम बाएं हाथ से करती हैं। अदालतों ने बहुत बार इसकी शिकायत की है और कहा है कि जब अदालत को ही विश्वास नहीं हो रहा है, तब जनता को कैसे विश्वास होगा। यही वजह है कि ऐसे मुकदमे या तो हाथों हाथ निपटा दिए जाते हैं या बरसों लटकते रहते हैं। आज स्थिति यह है कि कानून और नियमों को धता बताना आसान हो गया है। ईमानदार अफसरों को परेशान करने की शिकायत बढ़ती जा रही है। सेवा अवधि का विस्तार, मनोनुकूल जगहों पर पोस्टिंग, जल्दी–जल्दी प्रमोशन, बहुत से ऐसे कारण हैं जो पुलिस तथा अन्य जांच अधिकारियों को कर्तव्य विमुख बना रहे हैं।

स्थिति में सुधार लाने के लिए जांच एजेंसियों की संस्थानिक साख को बहाल किया जाए। चूंकि जांच का ज्यादातर काम पुलिस ही करती है, वह चाहे जिला स्तर पर हो या राज्य स्तर पर। अतः पुलिस को कानून के प्रति जवाबदेह बनाना जरूरी है। उसे समझाना होगा कि वह कार्यपालिका के दबावों के सामने न झुके। दूसरी तरफ चारा घोटाले का उदाहरण लीजिए। ट्रायल तो दशकों तक चलता रहा पर अब अपील की सुनवाई रोज ब रोज हो रही है। इसलिए हमारी न्याय प्रक्रिया में ऐसे सुधार लाना जरूरी है जिससे आपराधिक न्याय के हमारे युगों पुराने सिस्टम में जनसाधारण का विश्वास बहाल हो सके जो भारतीय संविधान का लक्ष्य है। न्याय होगा, तभी विकास हो पाएगा।

कर्नाटक विधाानसभा चुनाव अब तक का सबसे महंगा चुनावः सर्वेक्षण

नई दिल्ली । हाल ही में संपन्न हुआ कर्नाटक विधानसभा चुनाव राजनीतिक पार्टियों और उनके द्वारा खर्च किए गए धन के मामले में देश में आयोजित 'अब तक का सबसे महंगा' विधानसभा चुनाव रहा. यह सर्वेक्षण सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज ने किया है. यह सेंटर खुद को अपनी वेबसाइट पर एक गैर सरकारी संगठन और थिंक टैंक बताता है. इसके द्वारा किए गए सर्वेक्षण में कर्नाटक चुनाव को 'ध ान पीने वाला' बताया है. सीएमएस के अनुसार विभिन्न राजनीतिक पार्टियों और उनके उम्मीदवारों द्वारा कर्नाटक चुनाव में 9,500–10,500 करोड़ रुपये के बीच धन खर्च किया गया. यह खर्चा राज्य में आयोजित पिछले विध ाानसभा चुनाव के खर्च से दोगुना है.

सर्वेक्षण में बताया गया कि इसमें प्रधानमंत्री के अभियान में हुआ खर्चा शामिल नहीं है. पिछले 20 वर्षों के सीएमएस द्वारा किए गए जमीनी सर्वेक्षण यह संकेत देते हैं कि कर्नाटक विध ाानसभा चुनाव में हुआ खर्चा आम तौर पर देश के दूसरे राज्यों के विधानसभा चुनाव में हुए खर्चे से ज्यादा है.

सर्वेक्षण में बताया गया है कि कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु देश में विधानसभा चुनाव में खर्चे के मामले में सबसे आगे हैं. सीएमएस के एन भास्कर राव ने कहा कि खर्च की दर अगर यही रही तो 2019 के लोकसभा चुनाव में 50,000–60,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है. पिछले लोकसभा चुनाव में 30,000 करोड़ रूपया खर्च हुआ था.

राज्य में 12 मई को चुनाव आयोजित किया गया था और मतों की गिनती 15 मई को होगी. सर्वेक्षण में पाया गया कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जो कुल चुनावी खर्च हुआ हैं, उसमें व्यक्तिगत उम्मीदवारों का खर्चा 75 फीसदी तक बढ़ गया है. संगठन ने एक बयान में कहा कि ऐसे में लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार का खर्चा 55–60 फीसदी बढ़ने की संभावना है जबकि राजनीतिक पार्टियों का खर्चा 29–30 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है, जो कि 12,000–20,000 करोड़ रूपये तक बढ़ सकता है.

सम्पति कर में छूट का प्रस्ताव सदन ने किया पास

नई दिल्ली । पूर्वी दिल्ली नगर निगम में रहने वाले उन लोगों को राहत देने की कोशिश की गई है जो तृतीय नगर मूल्यांकन समिति की सिफारिशों से प्रभावित हो रहे थे। इसके कारण ये लोग अधिक सम्पतिकर के दायरे में आ गए थे। निगम अधिनियम की धारा 117 के तहत वर्ष 2018–19 में इस मुद्दे पर छूट देने के लिए सदन में रखे गए प्रस्ताव को पास कर दिया गया है। सदन के पटल पर यह प्रस्ताव स्थायी समिति के चेयरमैन प्रवेश शर्मा ने रखा था।

सदन में सम्पत्ति कर के मुद्दे को उठाते हुए प्रवेश शर्मा ने कहा कि तृतीय नगर मूल्यांकन समिति की सिफारिशें पूरी दिल्ली की सम्पतियों के लिए है। जबकि उत्तरी तथा दक्षिण दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में तृतीय नगर मूल्यांकन समिति की सिफारिशें को लागू नहीं किया है। प्रस्ताव में उन्होंने कहा कि दिल्ली के सभी नागरिकों से एक समान व्यवहार किया जाना चाहिए। जब दक्षिण और उत्तरी दिल्ली के नागरिकों को सम्पति कर में छूट है तो पूर्वी दिल्ली के लोगों को क्यों नहीं। पूर्वी दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में सम्पतिधारकों की श्रेणी में बदलाव किया गया है। इससे हाउस टैक्स देने वाले प्रभावित हैं। इसलिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा 177 के तहत प्रभावित लोगों को सम्पति में छूट देकर एकरूपता बनाए जाने की जरूरत है। महापौर बिपिन बिहारी सिंह ने सदन की बैठक में इस प्रस्ताव को पास कर दिया।

घोंडा गुजरान तथा सोनिया विहार में लैंडफिल साइट का मुद्दा सदन की बैठक में गरमाया रहा। इस मसले पर पार्षद सत्यपाल सिंह ने लैंडफिल साइट ना बनाए जाने के संबंध में प्रस्ताव रखा। लैंडफिल के मुद्दे को लेकर सत्ता और विपक्ष के पार्षदों ने विरोध जताया। यह प्रस्ताव पास नहीं किया जा सका।

निगमायुक्त डा.रणबीर सिंह का कहना है कि घोंडा गुजरान तथा सोनिया विहार में करीब 88 एकड़ तथा 50 एकड़ भूमि लैंडफिल साइट के लिए डीडीए की तरफ से मुहैया कराई गई है। लोगों ने इसका विरोध किया और अंत में यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। फिलहाल यहां लैंडफिल साइट ना बनाई जाए इसके लिए अदालत से स्टे मिल चुका है। लेकिन गाजीपुर का लैंडफिल साइट 62 मीटर ऊंचा हो चुका है और यहां एक हादसा भी हो चुका है। अदालत के स्टे की वजह से फिलहाल कूड़ा गाजीपुर साइट पर ही डाला जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सीसीटीवी कैमरा प्रोजेक्ट...

फाईनल किया गया। श्री माकन ने कहा कि सीसीटीवी कैमरा प्रोजेक्ट बेल को तब तक नही दिया गया जब तक हिक विज़न बेल की वेन्डर लिस्ट में नही आया। श्री माकन ने कहा कि बेल ओ.ई.एम कम्पनी नही है। श्री माकन ने कहा कि आप पार्टी की दिल्ली सरकार कह रही है कि उन्होंने केन्द्र सरकार की सरकारी कम्पनी बेल का टेन्डर दिया है जबकि सच्चाई यह है कि 6 फरवरी 2018 को दिल्ली सरकार के पीडब्लूडी विभाग में सीसीटीवी कैमरे को लगाने को लेकर बुलाई गई बैठक में हिक विज़न के दो प्रतिनिधि श्री चन्द्र शेखर तथा अरविन्द तंवर भी मौजूद थे।श्री माकन ने कहा कि चाईना की कम्पनी हिक विजन द्वारा दिल्ली में सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम पूरा करना था इसकी सच्चाई कांग्रेस के एक नेता तथा हिक विज़न के एक प्रतिनिधि श्री चन्द्र शेखर के बीच हुई वार्तालात से भी पता चलता है कि किस प्रकार श्री चन्द्र शेखर ने यह बात मानी कि पीडब्लूडी दिल्ली के द्वारा उनको डेढ़ लाख कैमरे लगाए जाने का ठेका मिला है।

कुमारस्वामी का दावा...

से दूर हुई, कांग्रेस ने 78 सीटों के बावजूद फुर्ती दिखाते हुए 37 सीटों वाले जेडीएस को समर्थन देने का दांव चल दिया। थोड़ी देर बाद जेडीएस ने भी समर्थन और एचडी कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बनाने की पेशकश मंजूर कर ली। मंगलवार शाम को कुमार स्वामी ने राज्यपाल वजूभाई वाला से मिलकर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया।

स्ट्राबेरी में होते हैं सबसे ज्यादा पेस्टिसाइड

हम जो फल या सब्जियां आमतौर पर खाते हैं, उसमें कितनी मात्रा में कीटनाशक मिला यह जानकर आपकी आंखें फटी रह जाएंगी। एक अध्ययन में विशेषज्ञों ने कहा है कि सामान्य तरीके से उगाए जाने वाले 70 फीसदी फल व सब्जियों में 230 तरह के कीटनाशक या उसी तरह के अन्य उत्पादों का इस्तेमाल किया गया है।

द इनवायरनमेंटल वर्किंग ग्रुप (ईडब्ल्यूजी) के अध्ययन में यह दावा किया गया है। संस्थान ने यह दावा अमेरिकी कृषि विभाग द्वारा जांचे गए उत्पादों के सैंपल के आकलन के आधार पर किया है। इसके मुताबिक स्ट्रॉबेरी और पालक में सबसे ज्यादा मात्रा में पेस्टिसाइड की मात्रा होती है। अध्ययन के दौरान स्ट्रॉबेरी के एक सैंपल को जांचा गया, तो उसमें 20 अलग–अलग तरह के पेस्टिसाइड पाए गए। इसी तरह पालक में उसके वजन से दो गुना पेस्टिसाइड का अवशेष था।

ईडब्ल्यूजी ने इस अध्ययन के आधार पर 12 ऐसे फलों और सब्जियों की सूची जारी की है, जिसमें पेस्टिसाइड की मात्रा सर्वाधिक पाई गई। संस्थान ने इसे सबसे गंदे फल व सब्जियों की श्रेणी में रखा है। इस सूची में सेब, अंगूर, आड़ू, चेरी, नाशपाती, टमाटर, आलू, सेलेरी और स्वीट बेल पेपर को रखा है। आड़ू, चेरी और सेब की 98 फीसदी से ज्यादा किस्मों में एक से अधिक पेस्टिसाइड पाया गया। संस्थान ने बताया कि इस साल की सूची पिछले साल की तरह ही रही। इससे साबित होता है कि फसलें उगाने के तरीके में कोई खास बदलाव नहीं आया है। अमेरिकी संघीय कानून में 1996 में यह व्यवस्था दी गई कि इनवायरनमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी (ईपीए) फलों और सब्जियों व अन्य खाद्य उत्पादों में पेस्टिसाइड के इस्तेमाल देखेगी और नियम बनाएगी। ईपीए का काम पेस्टिसाइड के खतरनाक केमिकल का इनसान की सेहत पर असर देखना था। एक ताजा शोध में कहा गया है कि खाने की चीजों में पेस्टिसाइड के अत्यधिक इस्तेमाल से प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है। इस अध्ययन के जरिये पहली बार पेस्टिसाइड का सेहत पर असर का संबंध पता चल सका है। हालांकि इस क्षेत्र में अभी और अध्ययन की जरूरत है।

वजन कम करने में भी मददगार है नारियल तेल

नारियल के तेल को लोग इसे अपनी बालों और स्किन पर लगाते हैं, ताकि उन्हें एक स्वस्थ व चमकदार स्किन प्राप्त हो सके। लेकिन आज भी अधिकतर लोग इसके स्वास्थ्य लाभों से अनजान हैं। आपको शायद पता न हो लेकिन इसमें हेल्दी सेचुरैटिड फैट पाया जाता है जो आपकी हेल्थ को काफी हद तक सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। इतना ही नहीं, आप अपनी बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए इसका प्रयोग कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में–

अगर आप अपने दांतों को लंबे समय तक मजबूत बनाए रखना चाहते हैं और दांतों की किसी भी तरह की समस्या से निजात पाना चाहते हैं तो आपको नारियल तेल का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके इस्तेमाल के लिए आप एक चम्मच एक्स्टा वर्जिन नारियल तेल को मुंह में करीबन 15 मिनट के लिए रखें। इसके बाद आप इसे थूक दें। याद रखें कि आपको तेल से कुल्ला नहीं करना। इसके अतिरिक्त आप चाहें तो नारियल के तेल की कुछ बूंदों से अपने मसूड़ों की हल्के हाथ से मसाज भी कर सकते हैं।

आपको शायद यकीन न हो लेकिन वास्तव में नारियल तेल वजन कम करने में भी काफी हद तक मददगार होता है। इसमें जो फैटी एसिड पाए जाते हैं, वे तुरंत आपकी कोशिकाओं में अवशोषित होकर ऊर्जा में परिवर्तित हो जाते हैं। अगर आप जल्दी वजन कम करना चाहते हैं तो आप अपने कुकिंग ऑयल को एक्स्ट्रा वर्जिन कोकोनट ऑयल से स्विच कर दें। इसके कुछ ही दिनों में आपको असर नजर आने लगेगा।

बढ़ाए स्टेमिना

अगर आप अक्सर थकान का अहसास करते हैं तो आपको नारियल तेल का सेवन करना शुरू कर देना चाहिए क्योंकि यह आपकी एनर्जी लेवल को बढ़ाने के साथ–साथ आपके स्टेमिना को भी बूस्टअप करता है। आपको शायद पता न हो लेकिन यह आपके मेटाबॉलिज्म को भी बेहतर बनाने का काम करता है।

बवासीर का उपचार

बवासीर एक ऐसी समस्या है जो काफी तकलीफदेह होती है। इसमें आपको मलत्याग के दौरान अत्यधिक पीड़ा का सामना करना पड़ता है। अगर आपको भी यह समस्या है तो आप नारियल तेल का इस्तेमाल करें। इसमें एंटी–इंफलेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो आपकी नसों को शांत करते हैं। इसके अतिरिक्त नारियल का तेल एक प्रा.तिक लेक्सेटिव की तरह काम करता है। जिसके कारण आपका बाउल मूवमेंट बेहतर होता है और बवासीर के मुख्य कारण जैसे कब्ज आदि से भी राहत मिलती है। इसके लिए आप नारियल तेल को अपने आहार का हिस्सा बनाएं। इसके अतिरिक्त आप इसे अपने गुदा मार्ग में भी लगा सकते हैं।

प्रोटीन के अलावा भी बहुत कुछ देता है अंडा

अंडा सिर्फ प्रोटीन से ही भरपूर नहीं होता है बल्कि इसके और भी कई फायदे हैं। अगर आप अपने खाने में अंडे को शामिल करते हैं तो इससे सेहत और सौंदर्य से भरपूर मिसाल फायदे मिल सकते हैं। आइए जानते हैं क्या हैं ये 7 फायदे.

feujYl ls Hkjiwj % अंडे में नौ अमीनो ऐसिड होते हैं, जो शरीर की जरूरतों को पूरा करते हैं। इसमें विटमिन ए, बी, बी12, विटमिन डी और विटामिन ई भी भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके अलावा यह फॉलेट, सेलेनियम और कई मिनरल्स का अच्छा स्त्रोत है।

eejh c<rh g % अंडे में मौजूद ओमेगा 3, विटमिन्स और फैटी ऐसिड दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसमें कोलीन पाया जाता है, जिसके प्रयोग से मेमरी के साथ दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ जाती है और वह बेहतर काम करता है।

fMç'ku dj nj % अगर मूड खराब हो, तो अंडा आपके लिए मददगार है। इसमें मौजूद विटमिन बी–12 तनाव को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे तत्व भी पाए जाते हैं जो आपके मूड को बेहतर बनाते हैं और डिप्रेशन दूर करते हैं।

çXul h d nkjku Qk;nen : गर्भावस्था में भी अंडा एक सेहतमंद फूड है। यह गर्भस्थ शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करता है। इसके अलावा यह शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की पूर्ति करता है। इसलिए डॉक्टर्स भी इस दौरान अंडा खाने की सलाह देते हैं।

एक शोध के अनुसार अंडे का सेवन करने से मोतियाबिंद का खतरा कम हो जाता है और आंखों की मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। अंडा प्रोटीन का अच्छा स्त्रेत है, इसलिए यह बालों और नाखूनों के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

रोशनी बढ़ाता है : एक शोध के अनुसार अंडे का सेवन करने से मोतियाबिंद का खतरा कम हो जाता है और आंखों की मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। इसमें मौजूद ऐंटीऑक्सिडेंट्स, रेटीना को मजबूती देने का काम करते हैं।

otu dk dj dVky % वजन को संतुलित रखने में अंडा बहुत मददगार होता है। इसे खाने के बाद देर तक पेट भरा रहता है और शरीर को ऊर्जा मिलती रहती है, जिससे आपको भूख कम लगती है और आपकी डायट कम हो जाती है। इससे आपका वजन नियंत्रित रहता है।

ckyk dk etcr cukrk g % अंडा प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है, इसलिए यह बालों और नाखूनों के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। यह बालों को मजबूत बनाने के साथ ही उसकी गुणवत्ता में बदलाव लाता है, साथ ही इससे नाखून भी मजबूत होते हैं।

कान्टेक्ट लैंस का करें उपयोग पर सावधानी से

अक्सर लोग आंखों के लिए चश्में की अपेक्षा कॉन्टेक्ट लैंस का उपयोग करना ज्यादा बेहतर समझते है। क्योंकि लैंस लगाने से चश्मे से मुक्ति मिल जाती है।

कॉन्टेक्ट लैंस का उपयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए। क्योंकि इससे आंखों को क्षति भी पहुंच सकती है। दरअसल,आंखों के कॉर्निया को भी ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। ऐसे में कॉर्निया में कोई गभींर समस्या भी पैदा हो सकती है। कॉन्टेक्ट लैंस का उपयोग

– कॉन्टेक्ट लैंस के साथ दिए निर्देशों का सही तरीके से पालन करें।
– अपने लैंस न किसी को दें, न किसी से लें।
– लैंस को अधिक गरम और अधिक ठंडी जगह पर न रखें।
– लैंस को अच्छे ब्रांड के क्लिनर्रस से नियमित साफ करें।
– अपनी मर्जी के लैंस केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करें।

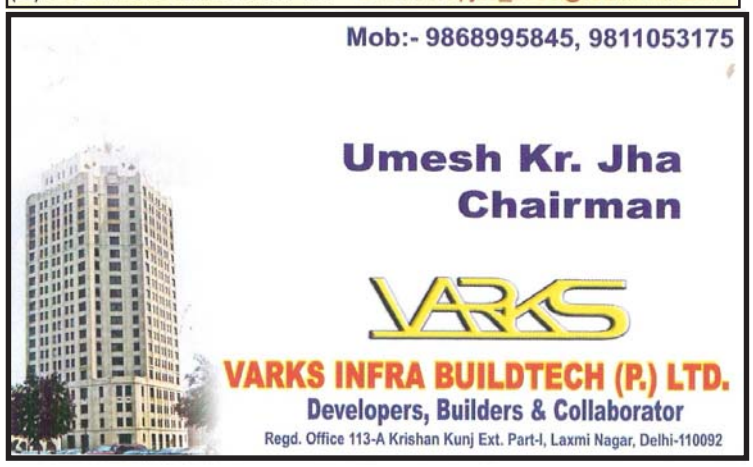

कसौली की प्राकृतिक छटा को देख अभिभूत हो जाते हैं पर्यटक

चंडीगढ़ से शिमला जाने वाली सड़क की आधी दूरी पर स्थित है, खूबसूरत हिल स्टेशन–कसौली। कालका से करीब 20 किमी ऊपर पहाड़ी की ओर सड़क पर मोड़ है और यहीं इस मोड़ के दूसरी ओर से आता पहाड़ की पहली हवा का झोंका यात्रियों को मंत्रमुग्ध कर देता है। प्रकृति की अनुपम छटा को देखकर पर्यटक अभिभूत हो जाता है। यह मधुर हवा का झोंका कहीं ओर से नहीं बल्कि पर्वतीय स्थल कसौली की तरफ से आ रहा होता है।

उसी मोड़ पर नैरोगेज की रेलवे क्रॉसिंग है जो कई बार बंद मिलती है। नैरोगेज की यह रेल की पटरियां पहाड़ के चारों ओर बिखरी पड़ी हैं और उस पर दूर से ही रेंगती हुई दिखलाई पड़ती हैं।

लाल, पीले, नीले और सफेद डिब्बे वाली रेलगाड़ी जिसे ट्वॉय ट्रेन के नाम से पुकारा जाता है, आपको यहां पर दौड़ते हुए दिखाई पड़ेंगी।

बस के अलावा इस श्ट्वाय ट्रेनश से धरमपुर तक जाया जा सकता है जोकि कसौली का सबसे ही नजदीकी रेलवे स्टेशन है। फिर यहां से किसी भी बस द्वारा कसौली पहुंचा जा सकता है और जो पर्यटक पैदल जाना चाहते हैं वे सड़क मार्ग से करीब तीन घंटे में कालका से कसौली पहुंच सकते हैं। वैसे पैदल जाने का अपना ही मजा है। पूरे रास्ते में चीड़ के पेड़ों की कतार है और पक्षियों का कलरव आपका मन बहलाता रहता है।

कसौली समुद्र तल से 1927 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जो शिमला से मात्र 280 मीटर कम है। अतः यहां की जलवायु शिमला जैसी ही है। परंतु यहां शिमला जैसा बड़ा बाजार, भीड़–भाड़, दुकानदारों की लूट और महंगाई नहीं है। जो लोग रोज की भागदौड़ की जिंदगी से ऊबकर कुछ दिन आराम करना चाहते हैं, उनके लिए कसौली एक आदर्श जगह है। यहां संगठित क्रियाकलाप का पूर्णतया अभाव है। इसलिए ऐसा लगता है मानो समय ठहर गया हो। शांति ही यहां की खासियत है। कुछ दिनों तक दुख–दर्द और तकलीफ को भुलाकर केवल आराम करने के लिए इससे अच्छी जगह नहीं हो सकती।

कसौली की दो प्रमुख सड़कें हैंध अपर माल और लोअर माल। इन सड़कों के दोनों किनारों पर चीड़, ओक और देवदार के वृक्षों से घिरे मकान हैं। पुराने फैशन के ये हवादार मकान या तो सेना के अधिकारियों के हैं या फिर लम्बे समय से रह रहे वहां के निवासियों के। इस क्षेत्र में वाहन के आने का समय निर्धारित है जिसके कारण अन्य समय में पर्यटक स्वच्छंद रूप से वादियों का लुत्फ उठाते रहते हैं। कसौली से रात में शिमला की छटा देखते ही बनती है। असंख्य टिमटिमाती बत्तियों से दीप्तिमान यह शहर रात में किसी परीलोक से कम नहीं लगता।

इससे थोड़ा नीचे सबातू और उसके दायीं ओर दंगराई तथा सनावर में टिमटिमाती बत्तियां जुगनुओं की उपस्थिति का भ्रम पैदा कर देती हैं। इसके दक्षिण में स्थित चंडीगढ़ तथा अंबाला की विस्तृत बिजलियां भी दिखती हैं। खुले और साफ मौसम में इन दृश्यों को दिन में भी देखा जा सकता है। यहां पर एक छोटा सा बाजार भी है जो सड़क की ढलान पर स्थित है।

प्रत्येक वर्ष, अक्टूबर माह के प्रथम चार दिनों में कसौली में मेले जैसी हलचल नजर आती है क्योंकि इस समय सनावर में स्कूल का स्थापना दिवस मनाया जाता है। यहां बच्चों के माता–पिता कोने–कोने से आते हैं। मानसून के दिनों में वर्षा की बौछार पड़ते ही कसौली की हरियाली और भी बढ़ जाती है। बारिश थमी नहीं कि कुहासे का साम्राज्य हो जाता है और पर्यटक उसमें घूमने निकल पड़ते हैं। रास्ते में जगहघ्जगह भुट्टे पकाने वाले भुट्टे बेचते हुए मिलते हैं जिनको पर्यटक बड़े ही चाव से खाते हैं।

कसौली में सबसे ऊंची जगह है, मंकी प्वाइंट। यहां से प्र.ति की दूरघ्दूर तक फैली अनुपम छटा दिखाई पड़ती है। मंकी प्वाइंट तथा दूसरी ओर गिलनर्ट पहाड़ी पर लोग सुबह–शाम टहलने निकलते हैं। इन दोनों जगहों पर पिकनिक मनाने वालों की हमेशा भीड़ लगी रहती है। कसौली की अच्छी आबोहवा के चलते यहां पर क्षय रोगियों के लिए सेनटोरियम बनाया गया है।

यहां एक चर्च है जिसमें पुराने जमाने के विभिन्न प्रकार के बूंदीदार रंगीन ग्लास वाले दरवाजे तथा खिड़कियां लगी हुई हैं, जो देखते ही बनती हैं। कसौली क्लब तथा प्राइवेट होटलों के अलावा हिमाचल पर्यटक विभाग ने भी यहां एक होटल बनवाया है जहां पर्यटकों की भीड़ हमेशा लोगों का ध्यान आ.ष्ट किये रहती है। सर्दियों के मौसम में होटल के बाहर भी लंच परोसा जाता है जिसे लोग वादियों का नजारा लेते हुए आपस में हिलमिलकर बड़े चाव से खाते हैं।

घटनाओं से सबक सीखे भारतीय विमानन नेटवर्क

हवाई यात्रा सुरक्षाओं की विश्वसनीयता खतरे में पड़ गई है। अल्जीरिया से एक और बड़े विमान हादसे की खबर आ गई। हवाई हादसों की खबरें अब रेल हादसों की तरह आम होती जा रही हैं। विमान हादसों में लगातार इजाफा होता जा रहा है। पिछले महीने नेपाल में बड़ा हादसा हुआ था जिसमें दर्जनों यात्री जलकर मर गए थे। अल्जीरिया में सेना का एयरक्राफ्ट क्रैश हुआ जिसमें सवार सभी लोग मारे गए। विमान में दस क्रू मेंबरों समेत 257 यात्री थे जिसमें कोई जिंदा नहीं बच सका।

लगातार होती विमानन घटनाओं ने हवाई सफर करने वालों के रोंगटे खड़े कर दिए हैं। पूर्व की ज्यादातर घटनाओं में मानवीय व तकनीकी चूक सामने आईं हैं इसलिए अब हवाई सफर पूरी तरह से रामभरोसे हो गया है। पिछले कुछ सालों में देश–विदेश में बड़ी विमानन घटनाएं घटी हैं।

घटनाओं के बाद जब जिम्मेवारी लेने की बात आती है तो सरकारें यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेती हैं कि इसमें निजी विमान कंपनियों की हिमाकत है। सीधे तौर पर सरकारें घटना की जिम्मेदारी अपने सिर नहीं लेती। अल्जीरिया में पिछले दस सालों के भीतर यह तीसरी बड़ी विमान घटना है। दुख और अचंभे वाली बात यह है कि तीनों बड़ी घटनाएं सैनिकों से संबंध रखती हैं। घटनाओं के पीछे कोई साजिश तो नहीं? मौजूदा घटना से पहले सन् 2003 में अल्जीरिया के ही तमनरसेट में एयर अल्जीरिया का प्लेन टेक–आफ से कुछ देर बाद ही क्रैश हो गया था,

जिसमें 102 लोगों की मौत हुई थी। उस प्लेन में अधिकतर सैनिक ही सवार थे। इसके बाद सन् 2014 में कान्सटेंटाइन शहर के पास जेबेल फर्तास पहाड़ियों में एक सी–130 प्लेन क्रैश हुआ था। उस हादसे में आफ ड्यूटी सैनिकों समेत उनके परिवार वाले यात्रा कर रहे थे, सभी की मौत हो गई। अल्जीरिया हुकूमत के लिए बेहद गंभीरता से जांच करने की दरकार है कि आखिर हर बड़ी विमान घटना का संबंध सैनिकों से ही क्यों होता है। अल्जीरिया की विमान घटना ने सुरक्षित हवाई सफर के दावों की पोल खोल दी है।

यात्रियों के जेहन में नेपाल घटना का डर अभी निकला भी नहीं था कि एक और बड़े हादसे की खबर आ गई। काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड करने के दौरान बांग्लादेशी विमान आग की लपटों में समाकर पचास लोगों की जिंदगी लील गया। विमान में चालक दलों समेत कुल 67 यात्री सवार थे जिसमें 33 लोग नेपाल के ही थे। उस घटना की जांच में हादसे का कारण मानवीय गलती और तकनीकी खराबी सामने आई थी। बताया गया कि चालक गलत दिशा में लैंडिंग करना चाहते थे जिससे विमान अचानक अनियंत्रित हो गया। विमान को रनवे के दक्षिणी छोर से लैंड करना था लेकिन चालकों ने उत्तरी छोर से लैंड करने की सोची। तभी विमान लैंडिंग के समय बेकाबू हो गया और आगे का हिस्सा धराशाई होते ही उसमें आग लग गई।

संसार भर में खतरों की समीक्षा पर आधारित सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो सुरक्षा पद्धतियों को लगातार रूप से उन्नत तथा पुनः परिभाषित करते रहते हैं लेकिन नतीजा वहीं ढाक के तीन पात की तरह होता है। अल्जीरिया विमान हादसे के बाद भारतीय विमानन क्षेत्र को तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए क्योंकि एविएशन क्षेत्र में भारत आज भी दूसरे देशों से काफी पीछे है।

नए विमानन नियम, नई सहूलियतें, आधुनिक तामझाम, यात्रा में सुगमता की गारंटी और भी कई तमाम हवाई कागजी बातें उस समय धरी की धरी रह जाती हैं, जब प्लेन उड़ने से पहले अपनी अव्यवस्था बयां कर देता है। उदाहरण के लिए कुछ माह पहले जब दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सपाट रनवे पर आमने–सामने एक साथ दो विमान आ गए। उससे हादसा होते–होते बचा। ए

सारा सच एक जरिया है दुनिया की सबसे बड़ी प्रसि) सोशल नेटवर्किंग साइट पर अपने कारोबार को बड़े लेवल पर बढ़ाने के लिए सारा सच अखबार/वेबसाइट में विज्ञापन देकर अपनी पब्लिसिटी करवाएं क्योंकि सारा सच ने इन पर अपनी प्रोफाइल/आईडी बनाकर अपनी पहचान बनाई है और लोगों को अपने साथ जोड़कर हमेशा अपडेट रहता है।

सम्पर्क करें : +91&999&000&7067

E-mail : sarasach99@Gmail.com

JOIN-US Facebook Google Plus

चिंताओं का समाधान कीजिए

vkज का युग चिंता, तनाव, दबाव व कुंठाओं का युग है। चिंता करने से किसी समस्या का समाधान नहीं होता। चिंता के बजाय चिंतन कीजिए। चिंतन से ही आपकी समस्या हल हो सकती है। कुछ विचार बिन्दु जो आपको चिंता दूर करने में सहायक होंगे :–

❍ चिंता में डूबे रहने में अपना वक्त बर्बाद मत कीजिए। बेहतर होगा कि आप अपना यह वक्त चिंता (समस्या) के समाधान में लगाएं।

❍ अपनी चिंताओं को किसी नोटबुक में रोजाना दर्ज कीजिए। इस नोट बुक पर आप दृष्टिपात करते रहिए। वस्तुतः चिंताओं के बिंदुओं पर दृष्टिपात करते रहने से आपको इनके समाधान के रास्ते सूझने लगेंगे।

❍ किसी समस्या का समाधान उसका सामना करने से ही होता है, भागने या दूर हटने से नहीं। यहां पर जो सुझाव पेश किया जा रहा है वह आपको कुछ अटपटा सा या बेहूदा जान पड़े किन्तु चिंताओं का सामना करने में यह काफी कारगर साबित हो सकता है।

❍ अपनी समस्याओं से रुबरु होने के लिए आप अपनी व्यस्त दिनचर्या में से आधे घण्टे का समय निकालिये। इस आधे घंटे के समय को आप चिंता अवधि की संज्ञा दे सकती हैं। अपनी सहूलियत के अनुसार किसी खास स्थान और खास वक्त पर पहुंच जाइये। इस दौरान अपने सारे कार्यक्रमों को रद्द कर दीजिए। सिर्फ अपनी चिंताओं पर ही ध्यान केंद्रित कीजिए। बाद में आप अनुभव करेंगी कि आपकी बहुत सी चिंतायें काल्पनिक थी। आपको चिंताओं से लड़ने की शक्ति प्राप्त होगी।

❍ अपनी चिंताओं के सारे कारणों का विश्लेषण करती रहिए। ऐसा करने से जब कभी आप चिंताओं के खौफ से रुबरु होंगे तो घबराएंगे नहीं। आपको चिंताओं को समाधान प्राप्त करने की शक्ति प्राप्त होगी।

❍ अपनी दिनचर्या में कुछ समय योगासन व प्राणायाम करने के लिए निकालिये। इस बीच गहरी सांस लीजिए। गहरी सांस लेने की प्रक्रिया से आपको मस्तिष्क के लिए अतिरिक्त आक्सीजन प्राप्त होती है। मस्तिष्क अधिक सजग होता है। उसे तनाव से लड़ने की शक्ति प्राप्त होती है।

❍ जब आप बहुत ज्यादा चिंतित हों तो अपनी समस्याएं किसी अतरंग सहेली या मित्रा को बताइये। ऐसा करने से आप स्वयं को हल्का महसूस करेंगे।

❍ ईश्वर के प्रति आस्था रखिए। इस आस्था से आपको मानसिक शान्ति मिलेगी और चिंताओं से लड़ने की शक्ति प्राप्त होगी।

Kumar Associates

Soliciter & Advisor (Legal)

Delhi District Court & High court

Karanjeet Kumar (Advocate)

H.O. : 133-A Krishan Kunj Extn.
Laxmi Nagar, Delhi-110092
Mob :9999839708, 8527362212

Vinod Kumar 9899317267
Varun Kumar 9212738941 9999963395

VARUN
Canvas-Company

Wholesaler of :
All Kinds of Blankets, Cotton Cloth.
Spl. in : Blankets, Plastic Tirpal, Plastic Tubes, Cotton Cloths, Tents, Car-Scooter Cover

12-A, Azad Market, Near Pul Mithai, Delhi-6
E-mail: varuncanvasco@yahoo.co.in

IPCS

Indian Pest Control Services

PRE & POST CONSTRUCTION
ANTI-TERMITE TREATMENT

Dr. P. K. Sahani
(Entomologist)

WZ-250 C, NEAR MTNL EXCHANGE
OPP. PUSA INSTITUTE INDER PURI,
NEW DELHI-110012
PH. 64522051 M. 9810437316
E-mail: pks0573@rediffmail.com
ipcs.7340@rediffmail.com

फिल्मी संसार

'बागी 2' से डिमांड में आई दिशा पटानी

बेहद खूबसूरत और दिलकश दिशा पटानी ने 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसमें वो धोनी की गर्लफ्रेंड बनी थीं। उस किरदार के लिए उन्हें खूब वाहवाही मिली।

दिशा पटानी, 2013 में 'मिस इंडिया' की रनर अप रह चुकी हैं। इसके बाद ही उन्होंने मॉडलिंग में कदम रखा। बहुत जल्दी वो मॉडलिंग की दुनिया में एक जाना माना नाम बन गईं। हर कोई उन्हें अपनी एड. फिल्म में लेने के लिए बेकरार रहता है। उनकी हॉट बॉडी और खूबसूरत चेहरे ने एड जगत में तहलका मचा दिया। 'बागी' में टाइगर श्रॉफ के अपोजिट जो किरदार श्रद्धा कपूर ने निभाया, उसके लिए पहले दिशा को साइन किया गया था लेकिन कुछ प्रॉब्लम के चलते उन्हें यह फिल्म छोड़नी पड़ी। टाइगर के साथ उन की मुलाकात इसी फिल्म के सैट पर हुई थी। हालांकि वह 'बागी' नहीं कर सकीं लेकिन टाइगर के साथ उनका रिश्ता लगातार आगे बढ़ता रहा।

टाइगर श्रॉफ के साथ दिशा पटानी का अफेयर हमेशा सुर्खियों में रहा है। टाइगर के साथ दिशा पटानी ने एक म्यूजिक एलबम 'बेफिक्रा' किया था। इसकी पेरिस में शूटिंग के वक्त दोनों एक दूसरे के काफी नजदीक आ गये थे। टाइगर के साथ रिलेशन बनने से पहले दिशा और टीवी स्टार पार्थ समथान के बीच गहरी दोस्ती रह चुकी है लेकिन वह दोस्ती गहरे अफेयर में बदल पाती कि उसके पहले ही दोनों ने अलग होने का फैसला कर लिया।

निर्माता करण जौहर ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी की ओर से दिशा को 'नो सैक्स प्लीज' का ऑफर दिया था। इसे वो एकता कपूर के साथ जोइंट वेंचर के तौर पर बनाना चाहते थे लेकिन बात बीच में ही रूक गई और फिल्म खटाई में पड़ गई।

अहमद खान के निर्देशन में टाइगर श्रॉफ के अपोजिट वाली उनकी पहली हिंदी फिल्म 'बागी 2' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त हिट रही।

महज 30 करोड़ में बनी इस फिल्म ने 150 करोड़ का बिजनैस कर सभी को भौंचक्का कर दिया। 'बागी 2' की शानदार सफलता के बाद बॉलीवुड का पूरा गणित ही बदल चुका है।

इस फिल्म के बाद एक ओर जहां टाइगर श्रॉफ शानदार ऑफर्स के ढेर पर जा बैठे हैं, वही दूसरी ओर ऐसे तमाम बड़े मेकर्स हैं जो दिशा पटानी के साथ फिल्में करने के इच्छुक नजर आने लगे हैं।

हस्तरेखाओं में छिपा है जीवन का फल

हस्त रेखाओं बताती हैं कि आपकी आयु कितनी है आपके जीवन में क्या–क्या परेशानी आएगीं। शास्त्रों में कहा गया है कि जीवन समुद्र के समान जीवन अथाह सागर है। इसमें जो जितना पारंगत होता है, वो उतना ही जान पाता है। हाथ की रेखाएं सदैव एक समान नहीं रहतीं। वह बनती–बिगड़ती रहती हैं। अत भविष्य कथन में परिवर्तन आता रहता है। स्वच्छ सीधी रेखाएं जहां उत्तम स्वास्थ्य को दर्शाती हैं, तो वहीं प्रगति में भी सहायक मानी जाती हैं।

अस्त–व्यस्त, कटी–टूटी रेखाएं हो तो अस्वस्थ्य और तरक्की में बाधक रहती हैं। बुध रेखा हथेली में किसी भी स्थान से निकल सकती है। इसकी सबसे अच्छी स्थिति यह मानी गई है कि बुध रेखा की स्थिति भाग्य रेखा और जीवन रेखा से जितनी अधिक दूर हो उतनी ही शुभ फलदायक होती है। बुध रेखा कहीं से भी जाए इसका अंत कनिष्ठिका अंगुली पर ही होता है। यदि किसी भी हथेली में यह रेखा है परंतु जीवन रेखा से पर्याप्त दूर है, साथ ही मणिबंध विघ्नरहित है तो वह व्यक्ति निश्चित रूप से दीर्घायु होगा।

अशुभ चिन्हों से मुक्त बुध रेखा वाला व्यक्ति पाचन शक्ति का धनी और स्वस्थ, सबल गुर्दों का स्वामी होता है। निर्दोष बुध रेखा के साथ–साथ यदि हथेली में हृदय, मस्तिष्क और भाग्य रेखाएं निर्दोष रूप में विद्यमान हों, तो ऐसी हथेली वाली बुध रेखा व्यक्ति की शारीरिक क्षमता, आरोग्य और जीवन शक्ति की वृद्धि करती है। यदि बुध रेखा टूटी, छिन्न–भिन्न टेढ़ी–मेढ़ी और मार्ग से हटी हुई हो तो समझना चाहिए कि ऐसा व्यक्ति उदर विकारों से ग्रस्त होगा।

सारा सच अपडेट हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए

Subscription From / lnL;rk gr Qke

नाम : .....
पता : .....
शहर : .....पिन : .....
फोन : ..... मोबाइल :.....
ईमेलः .....

समयावधि : एक वर्षः 100/–.....तीन वर्ष : 300/– .....
पांच वर्ष : 500/–.....आजीवन : 3000/– .....

भुगतान : नकद .....डीडी/चैक.....

ukV % o"k ,d@rhu@ikp dh lnL;rk d fy, MhMh@pd ij 50@&vfrfjDr cd pkt tkMdj nuk gkxkA
Qke lkQ lkQ Hkjdj lkjk lp viMV d uke MhMh@pd d Qke d lkFk fuEu ir ij Hkt ;k d"k vkfQl e tek djk,] Qke vki www.sarasach.com / join-us/ l dkih dj ldr gA

irk % 12@596] xyh ucj&2] oLV x: vxn uxj] fu;e Kku d t dkykuh] y{eh uxj] fnYyh&92

b&ey & sarasach99@gmail.com, info@sarasach.com
ekckby % 999&000&4667 &7067 Qku % 011-65100636

न्यूनतम मजदूरी नहीं देने वालों पर होगी कार्रवाई : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि राजधानी में न्यूनतम मजदूरी से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कड़ी कारवाई की जाएगी। मजदूर दिवस पर उन्होंने कहा कि श्रमिकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजना चाहिए।मजदूर दिवस पर कांस्टीट्यूशनल क्लब में दिल्ली श्रमिक सम्मेलन में केजरीवाल ने कहा कि सरकार न्यूनतम मजदूरी के मामले में कड़ा रुख अपनाएगी। न्यूनतम मजदूरी के नियमों का उल्लंघन किया तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने श्रमिकों से कहा कि शिक्षा से ही भविष्य को सुनहरा बनाया जा सकता है। दिल्ली सरकार प्रयास कर रही है कि निजी विद्यालयों जैसा ही सरकारी विद्यालयों को बनाया जाए। उन्होंने श्रमिकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजें। अगर दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल गया होता तो हम सभी संविदाकर्मियों को पक्का कर चुके होते। हम कुछ कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, लेकिन हम जल्द पक्का करेंगे। उन्होंने एलजी के साथ टकराव के मुद्दे को भी उठाया। मुख्यमंत्री ने बताया कि किस तरह फाइल बार–बार वापस की जाती है और रोक दी जाती है। इसका असर दिल्ली के विकास पर पड़ रहा है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने बिजली और पानी के दामों में लोगों को राहत दी है। श्रम मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सरकार श्रमिकों के लिए काम कर रही है। पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को डीटीसी बसों में जल्द निशुल्क यात्रा का पास मिलेगा। सरकार इसकी तैयारी कर रही है। श्रमिकों की समस्याओं के लिए बोर्ड बनाया गया है। हम एक काम एक वेतन के लिए काम कर रहे हैं।

अगले महीने तक बदल जाएगी ट्रैफिक पुलिस के मूविंग बाइक दस्ते की सूरत

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के 'मूविंग बाइक दस्ते की सूरत अगले महीने तक बदल जाएगी। ट्रैफिक पुलिस का यह दस्ता हाईटेक बाइक, हेलमेट और कैमरा लगे जैकेट से लैस होगा। इसके अलावा उपद्रवियों से निपटने के लिए बिजली के झटके देने वाले स्टनर भी लेकर चलेंगे।

स्पेशल कमिश्नर दीपेंद्र पाठक ने बताया कि सभी 53 सर्किल में तैनात दस्ते के लिए एक साथ 530 हाईटेक बाइक मंगाई गई हैं। इन खास बाइक को सभी सर्किल में दस–दस की संख्या में दिया जाएगा। एक बाइक पर दो ट्रैफिकपुलिसकर्मी खास बाइक, हेलमेट व जैकेट के साथ गश्त करेंगे।

ट्रैफिक पुलिस की यह सफेद रंग की बाइक विदेशों की तर्ज पर आगे एलईडी लाइट व पीछे लैशर के साथ लैस होगी। इससे कम रोशनी वाले क्षेत्रों में भी बाइक की रोशनी के साथ आसानी से नियम तोड़ने वालों व संदिग्धों पर नजर रखी जा सकेगी। इसके साथ इसमें चालान काटने वाली मशीन रखने व उसे चार्ज करने की सुविधा होगी।

बाइक दस्ते के पुलिसकर्मियों के हेलमेट नए डिजाइन वाले होंगे। ये हल्के व मजबूत होने के साथ हैंड फ्री माइक से लैस होंगे। इससे नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई के लिए बाइक रोककर माइक के जरिए आवाज लगाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि हैंड फ्री माइक का इस्तेमाल करते हुए बाइक चलाने के दौरान ही निर्देश दे सकेंगे। अत्याधुनिक बाइक व हेलमेट के साथ बाइक दस्ते के ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को हाईटेक जैकेट से भी लैस किया जा रहा है। बाइक दस्ते की टीम में शामिल ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के जैकेट में बॉडी फिटेड कैमरा भी होगा। इससे सड़कों पर नियम तोड़ने व रोकने पर बदसलूकी करने वाले कैमरे में कैद हो जाएंगे।

ट्रैफिक पुलिसकर्मी पेपर स्प्रे, इलेक्ट्रिक शॉक देने वाले स्टनर, पिस्तौल या फिर 9 एमएम पिस्तौल से भी लैस होंगे। क्योंकि कई बार उपद्रवी तत्व कानूनी कार्रवाई करने पर पुलिस से उलझ जाते हैं और मारपीट भी करने लगते हैं।

ट्रैफिक पुलिस कमिर्यों को भविष्य में 'टोमा और 'बीन बैग राउंड से भी लैस करने की योजना है। 'टोमा का इस्तेमाल 'वाटर कैनन और 'बीन बैग राउंड को 'टीयर गैस का विकल्प बताया जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, पूरी तरह कम्प्यूटरी.त 'टोमा तकनीक 'वाटर कैनन मशीन से दस गुना ज्यादा कारगर है। इससे पानी की तेज बौछारों के साथ डाई, गैस और फोम का मिश्रण किया गया है।

इससे पानी की धार भी करीब पांच गुना ज्यादा होगी। वहीं 'बीन बैग राउंड की खासियत यह है कि पुलिसकर्मी जब भीड़ में घिरकर असहाय स्थिति में पहुंच जाते हैं तो इस 'बीन बैग राउंड का इस्तेमाल करने पर भीड़ में शामिल उपद्रवी के शरीर की मांस–पेशियों पर इससे निकलने वाले 'स्पिलंटर्स(छर्रे की तरह निकलने वाले छोटे–छोटे) से चोट मारा जा सकेगा।

मोदी मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदलः पीयूष को वित्त राज्यवर्धन राठौर को सूचना प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई केंद्रीय मंत्रियों के विभागों में बदलाव किए हैं। रेल मंत्री पीयूष गोयल को वित्त मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। स्मृति ईरानी से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय वापस ले लिया गया है। इसी मंत्रालय में राज्यमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर को अब इस मंत्रालय की स्वतंत्र रूप से जिम्मेदारी सौंपी गई है।

के. अल्फोंस से भी सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्यमंत्री की जिम्मेदारी वापस ली गई है। राष्ट्रपति भवन ने मंत्रियों के नए विभागों को मंजूरी प्रदान की। दरअसल, सोमवार को ही अरुण जेटली का एम्स में गुर्दा प्रत्यारोपण हुआ है। इसलिए उन्हें लंबे समय तक आराम की जरूरत होगी। उनके स्वस्थ होने तक वित्त मंत्रालय का कार्यभार रेल मंत्री पीयूष गोयल के जिम्मे होगा। विभागों के फेरबदल में सबसे बड़ा फैसला स्मृति से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय वापस लेने को माना जा रहा है।

पिछले दिनों स्मृति द्वारा पत्रकारों से जुड़े नियमों को लेकर खासा विवाद हुआ था। पीएमओ के हस्तक्षेप के बाद नियम को वापस लिया गया था। इसमें फेक न्यूज प्राकशित करने पर पत्रकारों की मान्यता रद्द करने का प्रावधान किया गया था।

इसके अलावा भी महकमे में कई फैसलों जैसे पीआईबी अफसरों के तबादले, प्रसार भारती से टकराव आदि कारणों से विवाद पैदा हुए थे। स्मृति के पास सूचना प्रसारण के अलावा कपड़ा मंत्रालय का भी जिम्मा है। लेकिन अब आगे उनके पास सिर्फ कपड़ा मंत्रालय की ही जिम्मेदारी रहेगी। उनके लिए यह फैसला एक बड़ा झटका है, क्योंकि पूर्व में उनसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय की जिम्मेदारी भी वापस ली जा चुकी है। राज्यवर्धन सिंह राठौर जो सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में राज्यमंत्री थे और खेल मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार का जिम्मा देख रहे थे, अब सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रभार भी स्वतंत्र रूप से संभालेंगे। उनके लिए यह अच्छी खबर है। राठौर के पास दो मंत्रालयों का स्वतंत्र प्रभार अब हो गया है। इसी प्रकार एस. एस. आहलूवालिया को सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग में राज्यमंत्री नियुक्त किया गया है।

नई दिल्ली में रोडवेज की डीलक्स बसों का

बीकानेर हाउस के स्थान पर आई. एस. बी. टी. कश्मीरी गेट से संचालन शुरू

नई दिल्ली। नई दिल्ली में राजस्थान रोडवेज की डीलक्स बसों का संचालन महाराणा प्रताप अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आई.एस.बी.टी.), कश्मीरी गेट,दिल्ली के एसी डीलक्स प्लेटफॉर्म से शुरू हो गया है।

राजस्थान रोडवेज के नई दिल्ली में डयूटी ऑफीसर शंकरलाल ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा डीलक्स आगार की दिल्ली–जयपुर मार्ग पर संचालित सुपर लग्जरी बसों का इण्डिया गेट के पास बीकानेर हाउस से संचालन प्रतिबंधित किये जाने के कारण राजस्थान रोडवेज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजहंस उपाध्याय द्वारा जारी आदेश की अनुयालना में नई दिल्ली से जयपुर और अन्य स्थानों पर जाने व आने वाली राजस्थान रोडवेज की वातानुकूलित, डीलक्स और सुपर लग्जरी बसों का संचालन बीकानेर हाउस ,नई दिल्ली के स्थान पर आई. एस. बी. टी .कश्मीरी गेट से किया गया है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली– जयपुर– दिल्ली मार्ग पर संचालित राजस्थान रोड़वेज की सभी 26 लग्जरी बसें अब नियमित रुप से बीकानेर हाउस,नई दिल्ली के स्थान पर आई. एस.बी.टी.कश्मीरी गेट के एसी डीलक्स प्लेटफॉर्म से ही आया जाया करेंगी।

पोखरण परमाणु परीक्षण विनाश नहीं, शांति स्वाभिमान और समृद्धि के लिए था : मनोज तिवारी

नई दिल्ली । पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के नेतृत्व में 11 मई 1998 को राजस्थान के पोखरण में भारतीय परमाणु वैज्ञानिकों द्वारा परमाणु परीक्षण करने की 20वीं वर्षगांठ पर एक कार्यक्रम अटल इरादे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश इकाई की ओर से प्रदेश कार्यालय के सभागार में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुनील यादव ने की एवं मुख्य अतिथि के रुप में प्रदेश अध्यक्षमनोज तिवारी ने उपस्थित युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं संबोधित किया।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री तिवारी ने कहा कि 1998 मे आज ही के दिन रात्रि 3.00 बजे जब पूरा विश्व गहरी नींद में सो रहा था तब पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई के एक साहसिक कदम ने पूरे विश्व में भारत के कद को दोगुना कर दिया। राजस्थान के पोखरण में परमाणु परीक्षण कर श्री अटल बिहारी वाजपेई ने पूरे विश्व को बता दिया कि भारत चाहें तो अपने दुश्मन कों इंट का जवाब पत्थर से देने की ताकत रखता है लेकिन तुरंत बाद कारगिल में होने वाले युद्ध को बलपूर्वक जीता लेकिन परमाणु अस्त्रों का उपयोग नहीं किया। ऐसा कर श्री अटल बिहारी बाजपेई ने विश्व को संदेश दिया कि हमारी परमाणु ताकत शांति, स्वाभिमान और समृद्धि के लिए है, विनाश के लिए नहीं।

मनोज तिवारी ने कहा कि हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की परमाणु क्षमताओं को जनहित में उपयोग किया और पूरे विश्व को यह संदेश दिया कि हमारी ताकत शांति के लिए है टकराव और बिखराव का कारण नहीं। उन्होंने कहा कि हमारी परमाणु ताकत हमारे देश के विकास में चार चांद लगाने का काम कर रही है क्योंकि हमने हमेशा विश्व को शांति का संदेश दिया और हमारा देश प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेई के अटल इरादों से विश्व पटल पर सवा सौ करोड़ हिंदुस्तानी गौरवान्वित हो रहे है। इस अवसर पर मीडिया विभाग के प्रभारी प्रत्युष कंठ, सह प्रभारी नीलकांत बख्शी, प्रवक्ता हरीश खुराना, भारतीय जनता युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष राम खिलाड़ी यादव, कुनाल साहनी, श्री अनमोल राणा, सौरभ नैयर, महामंत्री वासु रूक्खड, मंत्री अभिमन्यु त्यागी, संदीप सहरावत, कार्यालय मंत्री श्री अजय खन्ना, जिलाध्यक्ष राहुल सचदेवा, अरविंद नागर, कमल शर्मा, संजीत यादव सहित कई गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक **सलीम अहमद** द्वारा आला प्रिंटिंग प्रैस, 3636, कटरा दीना बेग, लाल कुआँ, दिल्ली–110006 से मुद्रित व 12/596, गली नंबर–2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92 से प्रकाशित।
संपादक : **सलीम अहमद**. सारा सच अपडेट पाक्षिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों व समाचारों की सहमति आवश्यक नहीं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।